

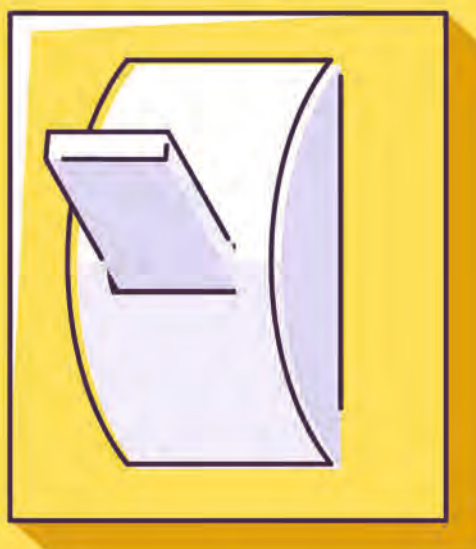


युवा जीवन

जुलाई 2022

चालू

माफ़ी



बंद

माफ़ी

प्रस्तावना

प्रियतम! मैं आप में से प्रत्येक को अपना प्यार और शुभकामनाएं देता हूँ।

आज की दुनिया में क्षमा के बारे में मानवीय प्रवृत्ति पूरी तरह से बदल रही है और गायब हो रही है।

क्षमा को भूल जाने पर मनुष्य के स्वभाव में बहुत से परिवर्तन होते हैं। क्षमा के अभाव में परिवार में फूट और रिश्तों में दरार का अंत नहीं होता है। साथ ही एक तरफ रिश्तों में तलाक और अलगाव भी है; और दूसरी ओर, क्योंकि वे क्षमा करने में असमर्थ हैं, हत्याओं और हिंसा में कोई कमी नहीं है। वर्तमान परिस्थितियाँ प्रतीत होती हैं कि

मनुष्य क्षमा नहीं कर सकता। लेकिन यह यीशु ही थे जिन्होंने सिखाया कि क्षमा से पुनःस्थापना, या पश्चात्ताप करने का अवसर मिलता है। उन निर्दय पुरुषों के सामने जो एक महिला को सजा देने के बजाय उसे पत्थर मारकर मार रहे थे। यीशु ने उसे माफ कर दिया और उसके जीवन को बहाल कर दिया। यह याद करते हुए कि यीशु के लहू ने हमारे अपराधों को क्षमा किया, दूसरों को क्षमा करने का विचार कम हो गया है। जैसा कि हम जल्दबाजी में प्रभु की प्रार्थना कहते हैं, हम क्षमा के बारे में मुख्य पंक्ति के गहरे अर्थ को नहीं समझते हैं।

हमने वचनों में कई जगहों पर क्षमा की श्रेष्ठता को देखा होगा। लेकिन, हमारे जीवन में क्षमा को प्रतिबिंबित करने में असफल होना कुछ बहुत ही दर्दनाक है। अपने भाइयों द्वारा उस पर किए गए सभी विश्वासघात को क्षमा कर दिया। अपने ही भाइयों द्वारा अपने पिता से अलग, उन्हें एक गड्ढे में डाल दिया गया, दास के

रूप में बेचा गया, पीड़ित, झूठे आरोप लगाए गए, उनके लाभार्थियों द्वारा भुला दिया गया, 13 साल की किशोरावस्था एक कैदी के रूप में बिताई गई और अपमान और गुलामी में था।

लेकिन जब उनके साथ विश्वासघात करने वालों ने उनके सामने घुटने टेके, जबकि उनके पास अपनी शक्ति और शक्ति का उपयोग करने के लिए उनमें से प्रत्येक को यातना देने का अधिकार था, तो यूसुफ ने उन्हें माफ कर दिया जो परमेश्वर ने उस पर कृपा की थी। आइए हम भी क्षमा करने का प्रयास करें। इसी

तरह, ग्लेडिस स्टेन्स ने उन लोगों को माफ कर दिया जिन्होंने उसके पति और उसके दो बेटों की हत्या की थी।

प्रिय युवा पाठकों, जैसा कि आप प्रभु की क्षमा को नहीं समझते या महसूस नहीं करते हैं, आप लोगों द्वारा आपके विरुद्ध किए गए कुकर्मों को क्षमा करने या भूलने में असमर्थ हैं। बहुतों ने कलवरी की प्रेममय क्षमा के बारे में नहीं सुना है जिसका आपने सामना किया है,

कलवरी के प्यार को साकार करने में उन हजारों और लाखों लोगों को बनाने में आपकी क्या भूमिका है?

मसीह के मिशन में

अविनाश



यदि भारत राष्ट्र को शांति से रहना है, और अकाल, गरीबी, वेश्यावृत्ति, मद्यपान और नशा से मुक्त होना है, तो राजनीति के विभाग में पुनरुद्धार की आग डालनी चाहिए। जब परमेश्वर को प्रसन्न करने वाले बच्चे राष्ट्र पर राज करते हैं, तो संदेह नहीं है कि पूरा राष्ट्र एक धन्य राष्ट्र बन जाएगा। जब राजनीति

विभाग में पुनरुद्धार होगा, सत्ता की लालसा, स्वार्थ, प्रतिद्वंद्विता, ईर्ष्या और रिश्तत पूरी तरह से समाप्त हो जाएगी और हमारा राष्ट्र धन्य हो जाएगा। जैसा कि यहोशापात ने किया जो परमेश्वर की दृष्टि

में सही था, परमेश्वर ने उसके हाथ में राज्य मजबूत किया। उसका हृदय परमेश्वर के मार्गों से प्रसन्न हुआ। परिणामस्वरूप क्या आप जानते हैं कि क्या हुआ?

उसने यहूदा के सब नगरों में प्रचार करने के लिए याजकों और



लेवियों को भेजा। याजक परमेश्वर के वचन का पालन करके यहूदा के सब नगरों का चक्कर लगाकर लोगों को उपदेश देने लगे। इस वजह से, राष्ट्र पवित्र हो गया, परमेश्वर ने पूरे यहूदा पर शासन किया, लोगों ने शांतिपूर्ण और आनंदमय जीवन जीना शुरू कर दिया। राष्ट्र शांत था। जब आप राजनीति विभाग पर पुनरुद्धार की आग के लिए प्रार्थना करना शुरू करते हैं, तो परमेश्वर यहोशापात जैसे नेता को खड़ा करेगा और राष्ट्र को पवित्र करेगा।

अब्राहम लिंकन का जन्म अमेरिका के एक गरीब परिवार में हुआ था। वे बचपन से ही परमेश्वर के प्रिय पुत्र और शास्त्रों से प्रेम करने

वाले युवा थे। वर्ष 1834 में, 25 वर्ष की आयु में, उन्होंने विधान सभा के लिए चुनाव लड़ा और पहली बार राजनीति में शामिल होकर राष्ट्र में दासता को मिटाने के लिए सोचते हुए जीत हासिल की। जैसा कि उन्होंने लोगों को अच्छा लोकतंत्र दिया,

अप्रत्याशित रूप से, उन्हें वर्ष 1860 में अमेरिका के 16वें राष्ट्रपति के रूप में चुना गया। वर्ष 1862 में, उन्होंने घोषणा की, किसी को भी दास के रूप में नहीं होना चाहिए। इसने अमेरिकी राजनीति में एक बड़ा प्रभाव डाला। कई दासों

को फिर से पट्टे पर दिया गया था। पूरे देश में सुशासन की स्थापना हुई।

प्रिय नौजवान, हमें राजाओं और उन सभी के लिए प्रार्थना करनी चाहिए जो अधिकार में हैं कि हम सभी भक्ति और श्रद्धा में एक



शांत और शांतिपूर्ण जीवन जी सकें। जैसा कि आप प्रतिदिन प्रार्थना करते हैं, प्रभु राजनीति में परिवर्तन लाएंगे। राजनीति में बदलाव होगा तो निश्चित तौर पर समाज में बदलाव आएगा और देश की गुलामी भी बदलेगी।

हमारे राष्ट्रीय दल – 08,

राज्य के दल – 05,

पंजीकृत दल – 598.

उज्ज्वल जीवन...



भाई आकाश, जो यीशु से अनजान परिवार में पैदा हुए थे, उन्होंने बहुत कम उम्र में अपने पिता को खो दिया था और किशोरावस्था में ही पापी आदतों के गुलाम हो गए थे। बाद में वे अपने सभी पापी बंधनों से बचा लिया गया थे और अब परमेश्वर द्वारा एक पूर्णकालिक मिशनरी के रूप में उपयोग किया जा रहा है। आइए, उनसे उनकी जिंदगी में घटी कुछ दिलचस्प घटनाओं के बारे में पूछते हैं।

जिश्यः हाय! आकाश। क्या हाल है? मैं तुम्हें देख कर खुश हूँ।

आकाशः हाय अक्का! मैं अच्छा हूँ। क्या हाल है? तुमको देख कर मैं भी खुश हूँ...

जिश्यः ठीक है, आकाश, जब हम बात कर रहे थे तो आपने कहा था कि जब आप छोटे थे तो आप कई पापी गतिविधियों में शामिल थे। केवल मैं ही नहीं बल्कि युवा जीवन के सभी सदस्य यह जानने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं कि आप उस पापपूर्ण गुलामी से कैसे मुक्त हुए। मुझे आशा है कि आप इसके बारे में हमसे साझा करने के लिए उत्सुक हैं।

आकाशः हाँ अक्का... मैं भी उत्सुक और तैयार हूँ। आप मुझसे अक्का पूछ सकते हैं...

जिश्यः ठीक है आकाश। पहले अपने परिवार के बारे में बताएं

आकाशः मेरी माता का नाम लक्ष्मी देवी हैं। मेरे दो बहनें और एक भाई है। मेरी बड़ी बहन, छोटा भाई और छोटी बहन पढ़ रही हैं। मेरी माँ अल्प मजदूरी के लिए काम कर रही है और हमारे परिवार की देखभाल करती है। जब मैं अपनी छठी कक्षा में था, मेरे पिता जी गिर कर बीमार हो गए और उनका निधन हो गया। यह मेरे खूबसूरत परिवार के बारे में है।

जिश्यः ठीक है आकाश। क्या आप हमें अपने बचपन के दिनों के बारे में बता सकते हैं?

आकाशः मेरा जन्म एक गैर-ईसाई परिवार में झारखंड में हुआ था। मैं बहुत छोटी उम्र से ही धर्मपरायण हुआ करता था। अपने जन्मदिन के दौरान, मैं मंदिर जाता था, नारियल तोड़ता था, माथे पर विभूति लगाता था और इसे श्रद्धापूर्वक मनाता था। मैं प्रसाद को अपने दोस्तों के साथ लाता और साझा करता था और इसे करने में मुझे खुशी होती थी। जब मैं अपने दोस्तों के साथ छोटा था, मैं खेल-कूद में पैसे चुराता था। मैं ऐसे ही नटखट और धार्मिक हुआ करता था।

जिश्यः आपने कहा था कि आप बचपन के दिनों में धार्मिक थे। अपने स्कूल की पढ़ाई के बारे में बताएं। मेरा अंग्रेजी विषय के प्रति अरुचि था।

आकाशः मैं अंग्रेजी की हर कक्षा में सबसे अलग था। मैं अंग्रेजी पढ़ना नहीं जानता। मेरे पिता एक शराबी थे। इसलिए, हमारे परिवार में कभी भी शांति नहीं थी। अगर मैं बाहर जाता और अपने दोस्तों के साथ खेलता तो मेरे पिता मुझे पीटते थे।

इसलिए मैंने अपनी पढ़ाई पर ध्यान नहीं दिया। मैंने पढ़ाई में रुचि खो दी। मैंने पढ़ाई में रुचि की खो दिया और स्कूल जाना बंद कर दिया।

जिश्यः जब आप बच्चे थे तो जीवन में शांति नहीं थी। साथ ही आप अपनी पढ़ाई में एकाग्र नहीं हो पा रहे थे। हमें एक अविस्मरणीय घटना के बारे में बताएं जो तब हुई जब आप छोटे थे।

आकाशः साल 2011 में मेरे मम्मी-पापा के बीच गलतफहमी हो गई थी। मेरी माँ और हम मधुकम नामक स्थान पर शिफ्ट हो गए। तब से, मेरे पिता जी ने और भी अधिक पीना शुरू कर दिया और पेट में तेज दर्द होने लगा। 12 मई 2012 को मेरे पिता का एक अस्पताल में निधन हो गया। मेरे पिता के नुकसान ने मुझे बहुत चकनाचूर कर दिया। चूंकि मेरे पिता की मृत्यु नशे की लत से हुई थी,

जब मैं जवान था मैंने अपने जीवन में ऐसी आदत नहीं डालने का फैसला



आकाश अपने परिवार के साथ

किया। जब मैं मधुपर्क में रहता था तो मेरे कभी दोस्त नहीं थे। मेरा जीवन सुचारू रूप से चल रहा था, मुझे कभी कोई बुरी आदत नहीं थी। मैं अपने परिवार में अपनी माँ का आज्ञाकारी पुत्र था।

जिश्वा: सुपर। यह एक अच्छा निर्णय था। क्या आप टिके रह पाए। वह निर्णय?

आकाश: जल्द ही मेरे और दोस्त होने लगे। मैंने शुरू किया वीडियो गेम खेलना। अगर मेरी माँ मुझे दुकान में सामान खरीदने के लिए पैसे देती है, तो मैं बचा हुआ पैसा बचा कर वीडियो गेम खेलने पर खर्च कर दिया करता था। जैसे ही मैंने अपने दोस्तों के साथ घुलना-मिलना शुरू किया, मुझे धूम्रपान और ड्रग्स की लत लग गई। जब मैं अपने दोस्तों के साथ था, तो मैंने यह सोचकर अपशब्द बोलना शुरू कर दिया कि इससे बहुत खुशी मिलेगी। मैं अपने बचपन के फैसले पर टिके रहने में असफल रहा। चूंकि मैंने पढ़ाई नहीं की और बुरी आदतों की आदत हो गई, मेरी माँ ने मुझे काम पर जाने के लिए जोर दिया। इसलिए, मैं एक उत्पाद बनाने वाली कंपनी में शामिल हो गया।

मैंने वहां कुछ दिन ही काम किया। फिर मैंने एक मेडिकल शॉप, टेक्सटाइल्स और बहुत जगह काम किया। मैं किसी भी कंपनी में अधिक समय तक टिक नहीं सका। मैं काम करने के लिए नियमित नहीं था। कार्यस्थल पर भी मुझे अपने दोस्तों के साथ ड्रग्स की लत लग गई। अगर मेरे पास ड्रग्स खरीदने के लिए पैसे नहीं हैं, तो मुझे ऐसे विकल्प मिलेंगे जो मुझे खुशी दें। मैं ऐसे तैयार होता जैसे कि मैं काम पर जा रहा हूँ, पर अपने नशे करने वाले दोस्तों के साथ समय को बर्बाद करता था, ड्रग्स लेता था और पास की एक खाली इमारत में खुश रहता था। मुझे ऐसी हालत में देखकर मेरे परिजन परेशान हो गए। मेरी एक चाची जो मुझे इस पाप से मुक्ति दिलाना चाहती थीं, मेरे लिए प्रार्थना करने लगीं।

जिश्वा: तुम्हारी चाची ने प्रार्थना करना शुरू कर दिया। क्या उसकी प्रार्थना सुनी गई? आपने इस पाप पर कैसे विजय प्राप्त की?

आकाश: वर्ष 2017 में हमने यीशु को अपने उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया और आज तक वह हमें एक प्रमाणिक जीवन जीने में मदद कर रहे हैं। चूंकि मधुक्कम में मेरे दोस्तों की बुरी संगति थी, इसलिए हमने 4 बार अपना निवास स्थान बदला। अपने बचपन के दिनों में जब भी मैं अपनी दादी के शहर जाता था, मैं वहां एक चर्च जाता था। इसलिए, जब भी मुझे अच्छा नहीं लगता, मैं अपनी जगह के चर्च जाता।

लेकिन मेरी बुरी आदतों में कोई बदलाव नहीं आया। मैं एक होटल में थाली और गिलास धोने के लिए गया था। एक दिन जब मैं होटल में था, मुझे अपने पाप का एहसास हुआ और मैं इससे बाहर आना चाहता था। मैंने परमेश्वर से प्रार्थना करना शुरू कर दिया, “मुझे यह नौकरी नहीं चाहिए और मुझे दूसरी नौकरी देने के लिए अगर मैं इस होटल में काम करना जारी रखता हूँ, तो मुझे



यकीम है कि मैं इस पापी जीवन में जारी रहूंगा। मैंने ईमानदारी से प्रार्थना की। मैंने परमेश्वर से प्रार्थना की कि मैं कोई भी काम करूंगा और अगर मैं इस वर्तमान नौकरी में रहता हूँ, तो मैं कभी नहीं रहूंगा मेरे पापों को दूर करने में सक्षम परमेश्वर ने मेरी प्रार्थना सुनी।

जिश्वा: सुपर। परमेश्वर ने आपकी प्रार्थना सुनी और आपके परिवार को बचाया। अब आप क्या करेंगे?

आकाश: वर्ष 2018 में, जब जीसस रिडीम्स टीम ने झारखंड का दौरा किया; मैंने, उनसे कहा कि मुझे जो भी काम दिया जाएगा मैं उसे करूंगा। तुरंत एक भाई चेक करने के बाद। मोहन अंकल ने मुझे जीसस रिडीम्स मिनिस्ट्रीज में शामिल होने के लिए कहा। जल्द ही मैंने नलुमवाड़ी की यात्रा की। मुझे यहाँ की भाषा नहीं आती थी। मैं -मीडिया के बारे में कुछ नहीं जानता। लेकिन परमेश्वर ने मुझे चुना, मुझे तमिलनाडु ले आए और मीडिया के क्षेत्र में मेरा इस्तेमाल कर रहे हैं। मैं पिछले 5 वर्षों से पूर्णकालिक मिशनरी कार्य कर रहा हूँ।



जिश्वा: सुपर। यह देखकर खुशी हुई कि यद्यपि आप भाषा या मीडिया के बारे में कुछ भी नहीं जानते हैं, परमेश्वर पिछले 5 वर्षों से पुनरुत्थान कार्यों में आपका उपयोग कर रहे हैं।

आकाश: मैं भी खुश हूँ। मेरी इच्छा है, मैं इस मिशनरी पथ में और अधिक सीखना चाहता हूँ और अपने उद्धारकर्ता के लिए और अधिक करना चाहता हूँ।

जिश्वा: ठीक है। पढ़ रहे युवाओं को आप क्या

कहना चाहेंगे?

आकाश: हमारा परमेश्वर जो वहाँ रास्ता बनाता है जहाँ कोई रास्ता नहीं लगता आपके साथ है। जब मैंने परमेश्वर से प्रार्थना की कि वह मुझे इस पाप से छुड़ाए, तो उसने मेरी प्रार्थना सुनी और मुझे बचाया। आज भी अगर आप किसी पाप में फँसे हुए हैं और उस पर विजय पाना चाहते हैं तो परमेश्वर आपकी मदद करेंगे। सबसे पहले आपको इससे बाहर आने का प्रयास करना चाहिए: जब आप विश्वास में मांगते हैं, तो परमेश्वर आपको आपके पाप से मुक्त कर देगा।

प्रिय युवाओं, परमेश्वर जिसने आकाश का जीवन बदल दिया, वह आपका जीवन बदल देगा और आपको किसी भी प्रकार के पाप से मुक्त कर देगा और आपको एक उज्ज्वल जीवन देगा। जब आप परमेश्वर से मांगते हैं, तो वे आपको आकाश की तरह उज्ज्वल जीवन जीने में मदद करेंगे।

मेहनत

मि मो

मैं एक सरकारी कार्यालय में सहायक के रूप में काम करता हूँ। मैं अपने काम को पूरा करने के लिए बहुत समर्पित हूँ। मैं अपने काम के प्रति वफादार हूँ। मेरे उच्च अधिकारियों ने मेरे काम के लिए कई बार मेरी तारीफ की है। एक बार जब मेरे उच्च अधिकारी ने एक महत्वपूर्ण परियोजना को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत की, तो मैंने उसे समय पर पूरा करने के लिए दिन-रात उसकी मदद की। हाल ही में उसने किसी अजनबी की बातों को झुठलाया और मेरे साथ बहुत कठोर व्यवहार किया, मेरे टुकड़े-टुकड़े हो गए। इसके साथ ही मुझे एक मेमो भी दिया गया जिसमें कहा गया था कि मैं अपने काम के प्रति ईमानदार नहीं हूँ। मैं अनजान था क्योंकि उसने किसी की बातों पर विश्वास किया और मुझे फेंक दिया। कुछ महीने बाद, जब उन्हें सच्चाई का पता चला, तो मेरे उच्च अधिकारी ने मुझसे माफ़ी मांगी। मैं उसे माफ नहीं कर सका। उसकी वजह से मेरा अपमान हुआ, मेरे प्रमोशन में देरी हुई और कई और नुकसान और दुख हुए। मुझे अगला प्रबंधक बनने की उम्मीद थी, लेकिन यह घटना मेरे लिए एक बड़ा झटका थी। मैं उसे माफ नहीं कर सका, माफ करने के बाद भी मैं उसे भूल नहीं पाया। मेरे कानों में वो शब्द दोहराते रहते हैं। मुझे पता नहीं है कि क्या करना है।

- राहुल, मुंबई.



प्रिय भाई राहुल,
मैं आपकी आंतरिक भावना और आहत को समझ सकता हूँ। एक तरफ तो आपको बिना वजह सजा दी गई और दूसरी तरफ सबसे भरोसेमंद मैनेजर वो सारी मदद भूल गया जो आपने उसे सहा, जिससे आपको बहुत तकलीफ होती है।

इसलिए, आपके कार्यालय में आपका अपमान किया गया। मेमो ने एक काला निशान बनाया और आपका परमोशन खराब कर दिया। मैं उस दुख को महसूस कर सकता हूँ जो काम ने आपको दिया है।



राहुल! आपके पास दो विकल्प हैं। सबसे पहले उसे क्षमा किए बिना दुख में जीना है, या आप उसे क्षमा कर दें और बिना किसी चोट के जीने की कोशिश करें। आप इन दो विकल्पों में से क्या चुनने जा रहे हैं?

क्या होगा यदि आप उसे न क्षमा करें?

- *आपके हृदय में क्षमाशील स्वभाव बदल सकता है।
- *बाद में दुश्मनी बनी रहेगी।
- *शीघ्र ही तुम उसके विरुद्ध बातें करने लगोगे और उसके विरुद्ध बुरे काम करने लगोगे।
- *समस्या अपने चरम पर जा सकती है और कार्यालय आपको पदोन्नत या स्थानांतरित कर सकता है।
- *यह और अधिक दुखद और घृणा की स्थिति में जोड़ देगा।
- *आपके उसके साथ जो अच्छे मैत्रीपूर्ण संबंध थे, वे दुश्मनी में बदल सकते हैं।

क्या होगा अगर तुम उसे क्षमा करें?

- *ऑफिस में आपका नाम सम्मान अच्छा रहेगा।
- *तथा इसके अलावा, क्षमा से आपको जो खुशी मिलेगी वह अपार होगी।
- *जिस प्रबंधक ने आपको झूठे अधिग्रहण के लिए एक मेमो दिया था, वह जल्द ही आपको एक मेल भेज सकते हैं जो आपके प्रचार और मूल्यांकन के लिए सिफारिश करते हैं।

जब हम आपके जीवन के बारे में सोचते हैं, तो हम इसे बाइबल में दानियेल के साथ जोड़ सकते हैं। दानियेल अपने काम में वफादार था, खुद बहुत काम करता था। इसलिए, दानियेल पर राजा का बहुत बड़ा भरोसा, प्रेम और सम्मान था। लेकिन राजा ने झूठे अधिग्रहण पर विश्वास किया और दानियेल को सिंह की मांद में डालने का आदेश दिया। शेर की मांद मौत की सजा के बराबर है। लेकिन दानियेल को राजा पर कोई कठोर भावना या दुख नहीं हुआ। दानियेल जानता था कि उसने कुछ भी गलत नहीं किया है।

वह चुप रहा और सिंह की मांद में प्रार्थना की। आखिर हुआ क्या? उसकी सच्चाई के कारण उसे सिंह की मांद से जीवित लाया गया था। परमेश्वर ने उसकी रक्षा की; बाद में राजा ने उन्हें उच्च पद पर पदोन्नत कर दिया। एक कहावत है जो कहती है कि जब हम क्षमा करते हैं तो हम इंसान बनते हैं और भूलने पर श्रेष्ठ बन जाते हैं। लेकिन जिसने हमें ठेस पहुंचाई उसे हम आसानी से माफ नहीं कर सकते। राहुल! इसे आजमाएं, जिस परमेश्वर ने दानियेल को राजा को क्षमा करने में सहायता की, वह भी आपके प्रबंधक को क्षमा करने में आपकी सहायता करेगा।

इसके अलावा, जब आप उनके आशीर्वाद के लिए प्रार्थना करते हैं। आपका दिल हल्का हो जाता है। तो, राहुल क्या आप क्षमा करने वाले हैं और शांति से मुक्त रहेंगे या अपने भीतर शत्रुता और शत्रुता को ढोएंगे? सोचो और समझदारी से काम लो!

यीशु छुड़ाते हैं



YouTube

Comforter
DIGITAL CHANNEL

प्रत्येक शनिवार सथियम टीवी पर सुबह 6:30 बजे
और सुबह 7 बजे यूट्यूब और कंफर्टर टीवी पर

प्रिय युवाओं अपने मित्रों को इस कार्यक्रम से परिचित
करवाएं और नीचे दिए गए नंबर पर हमें अपने द्वारा प्राप्त
की गई आशीषों के बारे में बताएं
9750955548



माफी

आज की आधुनिक दुनिया में सभी क्षमा शब्द भूल गए हैं। लड़ाई, खासकर ईसाइयों के बीच और परिवारों में बहस में वृद्धि हुई है। कोई दूसरों को माफ करने को तैयार नहीं है। “पहले वह मुझे क्षमा करें और फिर मैं उसे क्षमा कर सकता हूँ” की सोच और अहंकारी होने के नाते “मैं उसे क्षमा नहीं करूँगा” की सोच कई ईसाई परिवारों में देखी जाती है। परन्तु जो बाइबल कहती है, वह यह है, “इसलिये यदि तू अपनी भेंट वेदी पर ले आए, और वहां स्मरण रहे, कि तेरा भाई तुझ से विमुख है, तो अपक्की भेंट वेदी के साम्हने छोड़ दे, और अपना मार्ग ले; पहिले अपने भाई से मिलाप कर, और तब आकर अपनी भेंट चढ़ा” (मत्ती 5:23-24)। यह दुख की बात है कि हम में से बहुत से लोग इन वचन को भूल गए हैं।

याकूब ने अपने भाई एसाव को धोखा दिया और पिता का आशीर्वाद प्राप्त किया। एसाव ने तो याकूब से अपने पिता के दिए हुए आशीर्वाद के कारण बैर रखा; और उसने सोचा, “मेरे पिता के अन्तकाल का दिन निकट है, फिर मैं अपने भाई याकूब को घात करूँगा।” (उत्पत्ति 27:41)। हालाँकि उसने अपने दिल में कहा, उसने अपने भाई को नहीं मारा। लेकिन मनचाही चीज न मिलने पर कई युवा हत्या की हद तक जा रहे हैं। हम कह सकते हैं, इससे एसिड अटैक, ऑनर किलिंग, नफरत और दुश्मनी बढ़ी है। इन सबका मूल कारण क्षमा न करना है। इसलिए परमेश्वर कहता है कि क्षमाशील स्वभाव मनुष्य के लिए आवश्यक है।



“इसलिये यदि तुम मनुष्य के अपराध क्षमा करोगे, तो तुम्हारा स्वर्गीय पिता भी तुम्हें क्षमा करेगा। और यदि तुम मनुष्यों के अपराध क्षमा न करोगे, तो तुम्हारा पिता भी तुम्हारे अपराध क्षमा न करेगा।” मत्ती

6:14-15

बीस वर्ष के बाद जब याकूब अपने भाई एसाव से मिला, तब उसे अपनी भूल का आभास हुआ, और दीन हो गया, और उनके साम्हने सात बार भूमि पर दण्डवत् किया, जब तक कि वह अपने भाई के निकट न आ गया। एसाव, अपने भाई को मारने के बारे में सोच रहा था, फिर उसने याकूब को क्षमा कर दिया, और उससे मिलने के लिए दौड़ा, उसे गले लगाया, और उसके सामने गिरकर, उसे चूमा। (उत्पत्ति 33:4.) जैसे ही उन्होंने एक दूसरे को क्षमा किया, उनके परिवार एकजुट थे। अनेक परिवार टूट रहे हैं क्योंकि एक दूसरे के साथ क्षमा न करना। अगर आप अपने परिवार में किसी को क्षमा नहीं कर रहे हैं और आपके परिवार का कोई सदस्य किसी अन्य को क्षमा नहीं कर रहा है, उन्हें क्षमा करने और



अच्छे संबंध बनाने के लिए कहें। माता-पिता के बीच गलतफहमी और झगड़ों को देखना बहुत दर्दनाक है जो युवाओं में अपने माता-पिता के प्रति घृणा का कारण बनता है।

1999 में ग्राहम स्टेन्स और उनके दो बेटों को उनकी वैन में जलाकर मार दिया गया था। प्रेस-

के पत्रकार उस समय चकित रह गए जब ग्लेडिस स्टेन्स ने कहा कि उन्होंने अपने पति और बच्चों की मौत के लिए जिम्मेदार लोगों को माफ कर दिया। उसने प्रभु की महिमा की और कहा, “जिनके पाप तुम क्षमा करो, वे उनके लिये क्षमा किए गए हैं; जिनके तुम रखो, वे रखे गए हैं।” (यूहन्ना 20:23)। यदि आपने अभी तक किसी को क्षमा नहीं किया है, तो उन्हें आज क्षमा करने का निर्णय लें।



बहुत से युवा इस प्रश्न पर विचार करते हैं, “क्या यीशु मेरे पापों को क्षमा करेंगे या नहीं?”। लोगों को उनके पापों और श्राप से बचाने के लिए, यीशु इस दुनिया में मनुष्य के पुत्र के रूप में आए और उन्होंने क्रूस को उठाया और हमारे लिए अपना खून बहाया। शैतान ने मार्टिन लूथर के पापों को सूचीबद्ध किया और उसे दिखाया जब वह अपने घर में अकेला बैठा था।

उसने उन सभी पापों को एक श्वेत पत्र में लिखा और उस पर लाल स्याही डाल दी।

अब उस कागज़ में कोई पाप नहीं था जिसे शैतान ने सूचीबद्ध किया था। मार्टिन लूथर ने शैतान से कहा कि यीशु के लहू ने उसके सारे पाप क्षमा कर दिए हैं। शैतान तुरंत गायब हो गया। यीशु आपके सभी पापों को क्षमा करने के लिए तैयार है, यहाँ तक कि जब आप कहते हैं, “मैं एक पापी हूँ, यीशु मुझे क्षमा नहीं

करेगा” और उससे बहुत दूर चले जाओ। जब आप 1 यूहन्ना 1:7 को पढ़ते हैं तो यह कहता है, “उसके पुत्र यीशु मसीह का लहू हमें सब पापों से शुद्ध करता है”। क्या आप उसे पुकारने के लिए तैयार हैं? उसे बुलाओ और तुम्हारे पाप क्षमा हो जाएंगे। मेरे प्यारे युवा भाइयों और बहनों!

यदि आपके सामने कभी यह प्रश्न आता है कि “क्या आपके पाप क्षमा किए गए हैं?” मान लीजिए कि मैं विश्वास करता हूँ, कि यीशु मसीह के लहू ने मेरे सभी पापों को शुद्ध कर दिया है। यदि हम अपने पापों को मान लें, तो वह हमारे पापों को क्षमा करने, और हमें सब अधर्म से शुद्ध करने में विश्वासयोग्य और धर्मी है” (1 यूहन्ना 1:9)।

जीसस रिडीम मिनिस्ट्रीज उपहार

वलीबार कोंडाट्टम

नलुमवाड़ी में

15 अगस्त सोमवार (सरकारी अवकाश)

9am – 2:30pm

स्थान: परमेश्वर का तम्बू, नलुमवाड़ी

संदेश और प्रार्थना

भाई मोहन सी लाजर

Contact: 9750955548 / 9442885315

प्रवेश शुल्क

निःशुल्क पंजीकरण:

Youth.jesusredeems.com

याकूब का आशीर्वाद



“तब याकूब अकेला रह गया, और एक मनुष्य भोर तक उस से मल्लयुद्ध करता रहा। जब उसने देखा कि मैं याकूब पर प्रबल नहीं होता, तब उसकी जाँघ की नस को छुआ; और याकूब की जाँघ की नस उससे मल्लयुद्ध करते ही करते चढ़ गई।। तब उसने कहा, “मुझे जाने दो, क्योंकि भोर हो चुकी है।” परन्तु याकूब ने उत्तर दिया, “जब तक तू मुझे आशीर्वाद न दे, तब तक मैं तुझे जाने न दूंगा।” उस ने उस से पूछा, “तेरा नाम क्या है?” “याकूब,” उसने उत्तर दिया। तब उस मनुष्य ने कहा, तेरा नाम अब याकूब न रहेगा, परन्तु इस्राएल होगा, क्योंकि तू ने परमेश्वर से और मनुष्यों से युद्ध करके जय पाई है। (उत्पत्ति 32:24-28) हम याकूब के बारे में पढ़ते हैं जो इस अध्याय में पूरी रात प्रार्थना में कुशती करने वाला पहला व्यक्ति था।

उसने सारी रात प्रार्थना क्यों की? वह छल से भर गया था, क्योंकि उसने अपने भाई एसाव को 20 वर्ष पहले धोखा दिया था। इसलिए, एसाव याकूब को मारने के लिए बहुत उग्र था और एक उपयुक्त अवसर की प्रतीक्षा कर रहा था।

इस अध्याय में, हम पढ़ते हैं कि कैसे याकूब अपने चाचा लाबान की सेवा करने के बाद 20 साल की लंबी अवधि के बाद अपने धन, मवेशियों, गधों, भेड़, नर और मादा, नौकर के साथ अपने गृहनगर वापस लौट रहा है। जब एसाव ने यह सुना, तो वह 400 आदमियों के साथ उससे मिलने आया। दूतों के द्वारा यह समाचार सुनकर याकूब बड़ा भय और संकट से भर उठा।

उस समय, याकूब समझ गया कि एक ही उपाय होगा कि रात को



परमेश्वर के साथ प्रार्थना में बिताएं। उसी रात याकूब उठा, और अपनी दोनों पत्नियों, दो दासियों, और ग्यारह पुत्रों को लेकर यब्बोक के घाट को पार किया। और उन्हें नदी के उस पार भेजकर अपनी सारी संपत्ति भेज दी, और परमेश्वर के साम्हने एकान्त में रहने लगा।

जब याकूब अपने भाई एसाव से डरता था कि वह उस पर हमला करेगा, और उसकी पत्नियों और बच्चों को नुकसान पहुँचाएगा,

तब परमेश्वर ने याकूब से मुलाकात की। तब उसने रात अकेले एक आदमी के साथ कुशती लड़ी थी।

वह अपने भाई पर जीत हासिल करने और अपने परिवार को उससे बचाने के लिए एक हताश स्थिति में कुशती लड़ रहा था।

याकूब की प्रार्थना एक प्रमुख विषय पर थी - “जब तक आप मुझे आशीर्वाद नहीं देंगे, मैं आपको जाने नहीं दूंगा”।

याकूब को परमेश्वर से किन आशीर्षों की आवश्यकता थी? उसकी पहले से ही चार पत्नियाँ थीं, 11 बेटे, एक बेटी और कई नौकर! उन्हें जो मवेशी और झुंड विरासत में मिले थे, उनकी कीमत करोड़ों करोड़ से अधिक रही होगी।

उसने खुद परमेश्वर को घोषित किया कि जब वह जॉर्डन नदी पार कर गया तो उसके पास केवल एक ही कर्मचारी था, लेकिन अब वह संपत्ति और धन के दो शिविरों के साथ वापस आ गया है। अगर हाँ, तो याकूब को किस आशीर्ष की ज़रूरत थी? उन्होंने किस आशीर्वाद के लिए संघर्ष किया? परमेश्वर, वास्तव में उसे एक नए नाम के साथ आशीर्वाद दिया! याकूब का अर्थ ‘धोखा देने वाला’ था लेकिन परमेश्वर ने कहा, ‘तुम्हारा नाम अब याकूब नहीं होगा, लेकिन इज़राइल अपने जन्म के दौरान भी, वह वही था जिसने अपने भाई की एड़ी पकड़ ली और पहले बाहर आने की कोशिश की ताकि वह जन्म ले सके सही। वह केवल अपने भाई की एड़ी को पकड़ने में सक्षम था, लेकिन सबसे बड़े के रूप में पैदा होने में सफल नहीं हो सका।

संपत्ति के दो हिस्से और पहले जन्म के लिए जन्म का अधिकार देने के लिए इज़राइल में यह आदर्श था। इसलिए, याकूब उस आशीर्ष के लिए तरस गया। इसके बजाय, एसाव, जो जेठा था, पहलौठों के आशीर्वाद के बारे में बहुत लापरवाह था और इसे लाल खिचड़ी के लिए बेच दिया, जो भूख के कारण उसकी तत्काल संतुष्टि के लिए आवश्यक था। उनके बारे में यह उल्लेख किया गया है कि ‘एसाव परमेश्वर विहीन था जिसने एक भोजन के लिए अपने सबसे बड़े पुत्र के रूप में विरासत के अधिकार बेच दिए। परन्तु याकूब आशीर्षों के प्रति सचेत था। भले ही उसने कई बार धोखा दिया हो, वह बहुत चिंतित, सचेत और परमेश्वर के आशीर्वाद के लिए तरस रहा था।

रिबका, उसकी माँ, जो चाहती थी कि वह पिता का आशीर्वाद प्राप्त करे, रिबका ने इसहाक से पहले एसाव की तरह कार्य करने के लिए याकूब के हाथों और गर्दन को बकरियों से ढकने के लिए

एक चालाक योजना तैयार की।

याकूब ने धोखे से अपने पिता से एसाव के लिए एक भी आरक्षित के बिना सभी आशीर्वाद ले लिए। जब एसाव ने अपने पिता की बातें सुनीं, तब वह ऊँचे और कड़वे शब्द से फूट पड़ा, और अपने पिता से कहा, हे मेरे पिता, मुझे भी आशीर्वाद दे! परन्तु उसने कहा, “तेरा भाई छल से आया और तेरा आशीर्वाद लिया।” एसाव ने पहले अपनी जन्मसिद्ध आशीर्षों के महत्व को नज़रअंदाज़ किया था और इसे बहुत ही लापरवाही से अपने भाई को बेच दिया था। परन्तु याकूब की अपने पिता की आशीर्षों को प्राप्त करने की गहरी इच्छा थी।

इसलिए जब उसने उस रात परमेश्वर को आशीर्वाद देने के लिए उसके साथ कुश्ती की, तो परमेश्वर ने उसका नाम बदल दिया और उस पर आशीर्वाद दिया। यहाँ तक कि इस्राएल राष्ट्र भी आज तक उसके नाम का जीता जागता गवाह है। इज़राइल देश पूरी दुनिया में सबसे अच्छा देश है, बेजोड़ और बेजोड़ 5 अपनी उत्कृष्ट समृद्धि और सभी पहलुओं में प्रसिद्धि के साथ। उल्लेखनीय आविष्कारक रहे अधिकांश वैज्ञानिक इज़राइल से हैं। जैकब का अर्थ है ‘धोखा देने वाला’ जबकि इज़राइल का अर्थ है ‘परमेश्वर का राजकुमार। हम समझते हैं कि परमेश्वर ने धोखेबाज याकूब को परमेश्वर का राजकुमार बना दिया।



मेरे प्यारे जवानों, आप भी प्रयास करें और अपने जीवन में परमेश्वर के आशीर्वाद की कामना करें। आपको आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए उत्सुक होना चाहिए। यदि आप परमेश्वर से चिपके रहते हैं और उत्साह से कहते हैं कि आप उसे जाने नहीं देंगे जब तक

वह आपको आशीर्वाद नहीं देता, वह निश्चित रूप से आप पर अपना सर्वश्रेष्ठ आशीर्वाद देगा। परमेश्वर हस्तक्षेप करेगा और आपके साथ वैसा ही संवाद करेगा जैसा उसने याकूब के साथ किया था। वह आपकी प्रार्थनाओं का उत्तर देगा! धन्य रहो!

प्रार्थना करना और एक विजेता बनें

पिछले महीने, हमने तैयारी और एक घंटे के लिए प्रार्थना करने के तरीकों पर चर्चा की। निरंतरता में, इस महीने, आइए हम गहराई से चर्चा करें कि एक घंटे के लिए कैसे और क्या प्रार्थना करें।

पहले 15 मिनट: स्तुति और आराधना!

अगले 15 मिनट: पवित्रशास्त्र पर मनन करें!

अंतिम 30 मिनट: प्रार्थना करें!

स्तुति कैसे करें और परमेश्वर को आराधना कैसे करें?

स्तुति: परमेश्वर को उसकी शक्ति और उदात्तता के लिए महिमावंडित करें

उदाहरण: सर्वशक्तिमान परमेश्वर, मैं आपकी स्तुति करता हूँ! यीशु, मेरे उद्धारकर्ता, मैं स्तुति करता हूँ! पवित्र आत्मा, मैं आपकी स्तुति करता हूँ!

आराधना: जो उसने हमारे लिए अच्छा किया है इसके लिए प्रभु को धन्यवाद दे।

उदाहरण: तू ने मुझे जो उद्धार दिया है उसके लिए धन्यवाद! तू ने मुझे जो अच्छा शारीरिक स्वास्थ्य दिया है, उसके लिए धन्यवाद! आपके द्वारा दिए गए सभी अच्छे उपहारों के लिए धन्यवाद

परमेश्वर के वचनों पर ध्यान कैसे करें?

▶▶ आप अपने नियमित बाइबल अंशों को अर्थपूर्ण ढंग से पढ़कर मनन कर सकते हैं।

▶▶ आप ध्यान के लिए उत्पत्ति से शुरुआत कर सकते हैं

▶▶ आप कोई भी किताब चुन सकते हैं बाइबिल से शुरू करने

के लिए मनन करना। आप अपनी इच्छानुसार कोई भी तरीका चुन सकते हैं। जो महत्व दिया जाना चाहिए वह है बाइबल का ध्यान। अपना सुविधाजनक तरीका चुनें और उसका पालन करें अच्छी तरह से।



प्रार्थना कैसे करें?

परमेश्वर की स्तुति और बाइबल का ध्यान

करने के बाद, समर्पित रूप से प्रवेश करें

प्रार्थना का समय।

सबसे पहले, दूसरों के लिए प्रार्थना करें।

इसके बाद, उन लोगों के लिए प्रार्थना करें जो हमारे देश में सत्ता में हैं।

परमेश्वर के मिशनरियों के लिए प्रार्थना करें।

अंत में, अपने लिए प्रार्थना करें।

तैरने के बारे में आप चाहे जितनी भी कक्षाएं सुन लें, आप सीख नहीं सकते तैरने के लिए जब तक आप पानी में प्रवेश नहीं करते। इसी तरह, मेरे प्यारे नौजवानों, आप एक प्रार्थना योद्धा नहीं बन सकते जो सब कुछ पढ़कर एक घंटे की प्रार्थना करता है। आप एक स्थिर प्रार्थना जीवन तभी प्राप्त कर सकते हैं जब आप प्रभु से दया और अनुग्रह मांगते हैं; प्रार्थना करने का निर्णय लें, और प्रतिदिन अभ्यास कर

प्रार्थना को अभ्यास बनाओ, तुम्हारा जीवन विजय बन जाएगा

होशे

(प्यार की रक्षा करना)

प्रिय युवा दिल! हम पिछले कुछ महीनों से प्रमुख भविष्यवाणी की किताबों पर चर्चा कर रहे हैं। इस महीने आइए हम पहले छोटे भविष्यद्वक्ता होशे के बारे में दिलचस्प तथ्यों का एक संक्षिप्त सारांश खोजें।

परिचय

जिस उद्देश्य के लिए होशे की पुस्तक लिखी गई थी, वह उस अटूट या अपरिवर्तनशील प्रेम को व्यक्त करना था जो इस्राएल के लोगों के मन में परमेश्वर के लिए था, भले ही वे अभी भी विश्वासघाती थे। होशे के वैवाहिक अनुभव से पता चलता है कि वह परमेश्वर को अपना ज्ञान देकर और मनुष्य को घनिष्ठ रूप से जानने का क्या अर्थ है, उसे आशीर्वाद देना चाहता है। इसलिए यह पुस्तक परमेश्वर के प्रेम और करुणा के हृदय को प्रकट करती है। यह

लेखक: होशे

अवधि: 755-715 ई.पू. अध्याय: 14

छंद: 197

शब्द: 1, 175

इज़राइल - येहू।

होशे – सारांश

इस्राएल के साथ परमेश्वर के संबंध का चित्रण

- ◀ होशे के परिवार की भविष्यवाणी की प्रकृत (अध्याय 1)
- ◀ पुराने नियम को पुनः प्राप्त करना (अध्याय 2)
- ◀ होशे के विवाह को पुनर्स्थापित करना (अध्याय 3)

होशे का संदेश:

- ◀ इज़राइल का पुनर्स्थापना और न्याय ।
- ◀ यहोवा इस्राएल के विरुद्ध (पद 4, 5, 6: 1-3) ।
- ◀ इज़राइल की गलती और सजा (अध्याय 6-11)
- ◀ इस्राएल के विरुद्ध परमेश्वर के मुकदमे का अंत (अध्याय 12-14)

होशे में मसीह होशे में मसीहा है।

- ◀ परमेश्वर का पुत्र (11:1)
- ◀ अपने लोगों में से एकमात्र जिसने दिया स्वयं हमारे पापों के लिए (13:14)
- ◀ वह हमें सबसे बड़े पछतावे के साथ प्यार करता है (11:4)
- ◀ जो उसके पास लौटने वालों को चंगा करता है। (6:1)



प्रकाश का जीवन!

सफलता

के फल का

स्वाद लेने के लिए इंतजार

कर रहे हर युवा को मेरी हार्दिक बधाई।

इस दुनिया में हर इंसान के पास प्रतिभा, ज्ञान, आत्मविश्वास और कभी हार न मानने वाला रवैया है। लेकिन क्या हम उन सभी का सही तरीके से और सही समय पर उपयोग कर रहे हैं? यह महत्वपूर्ण सवाल है जो हमें खुद से पूछना है। जिन्होंने इनका सही इस्तेमाल किया, वे अचीवर्स बन गए हैं। यदि आपने अपनी बुद्धि, प्रतिभा और बुद्धि का सही तरीके से उपयोग नहीं किया है, तो इसके बारे में चिंता करना बंद कर दें। आप अब से हर एक दिन का सर्वोत्तम संभव तरीके से उपयोग करके सफलता के फल तक पहुँच सकते हैं। यहां आपको प्रोत्साहित करने के लिए एक उपलब्धि हासिल करने की गवाही दी गई है!

किमत राय गुप्ता का जन्म 1937 में पंजाब में एक बहुत ही विनम्र परिवार में हुआ था। उनके पिता तब एक छोटा सा व्यवसाय

कर रहे थे। उनका उद्देश्य अपने बेटे को अच्छी तरह से पढ़ना था ताकि उसे एक सरकारी नौकरी मिल सके जो उसे हर महीने के एक दिन भुगतान करेगी। लेकिन किमत के पास अन्य विचार थे; वह एक बड़ा बिजनेसमैन बनना चाहता था। हालांकि उनकी एक बड़ी महत्वाकांक्षा थी, उन्होंने अच्छी पढ़ाई की और अपने पिता की इच्छा के अनुसार शिक्षक बन गए। किमत की व्यवसायी बनने की इच्छा ने उन्हें बेचैन कर दिया। जब वे पढ़ा रहे थे, उन्होंने बाजार में उत्पादों की मांग पर प्रतिदिन अपना शोध शुरू किया।



उनकी

लंबी खोज एक दिन

ठीक हुई। उसने पाया कि इलेक्ट्रॉनिक सामान बाजार में बहुत बिक रहा है और उसने इसे अपने दम पर बेचने का फैसला किया। जैसे-जैसे शिक्षक के रूप में उनकी नौकरी से दिन बीतते गए उन्होंने उन्हें संतुष्ट नहीं किया। इसलिए, उन्होंने इसे तुरंत छोड़ दिया और 21 साल की उम्र में, उन्होंने अपने सभी करीबी दोस्तों से 10,000 रुपये एकत्र किए और “इलेक्ट्रा स्टोर्स” शुरू करने के लिए दिल्ली चले गए।

जैसा कि गुप्ता को उम्मीद थी कि उनका व्यवसाय लाभदायक

होगा। लेकिन बिक्री में कितनी भी वृद्धि क्यों न हो, वह उत्कृष्टता प्राप्त करने और अगले चरण में आगे बढ़ने में सक्षम नहीं था। इसलिए उन्होंने दिल्ली के मुख्य इलाकों में दो नए स्टोर शुरू किए, जिससे उन्हें शानदार रिटर्न मिला। वह अभी संतुष्ट नहीं था। उन्होंने

इलेक्ट्रॉनिक्स वितरित करने का फैसला किया। राज्य भर में और इसका निर्माण शुरू कर दिया। उन्होंने खुद कई बड़ी कंपनियों के ऑर्डर लेने के लिए उनका दौरा किया। लेकिन निर्माताओं ने उसकी मेहनत से मुनाफा कमाया। जब उनसे उनका हिस्सा मांगा गया, तो कंपनी के मालिकों ने कहा कि बिक्री उनके ब्रांड के कारण अधिक है, न कि उनके कौशल के कारण। उनकी बातों ने उन्हें इस बात का अहसास कराया कि वह



चीजें बांटकर कभी भी उनके स्तर तक नहीं पहुंचेंगे। इसलिए उन्होंने अपने लिए एक ब्रांड बनाने का फैसला किया।

बाजार में कई ब्रांड हैं, इसलिए यदि आप एक को शुरू करते हैं तो आप टिक नहीं सकते।

“ये शब्द गुप्ता के दोस्तों द्वारा बार-बार कहे जाते हैं। लेकिन वह इन शब्दों से अप्रभावित थे, उनका एकमात्र विचार यह पता लगाना था कि आगे क्या करना है।

यह इसी दौरान उन्हें हैवेल्स नाम का एक ब्रांड मिला जो लगातार घाटे का सामना कर रहा था और उसे खरीदने की पेशकश की। सबसे पहले, उन्होंने ब्रांड की गुणवत्ता बढ़ाने का फैसला किया और इसके लिए उन्होंने अन्य कंपनियों के विशेषज्ञों की भर्ती की। फिर, उन्होंने निर्माण शुरू किया। अपने स्पष्ट निर्णय के कारण, दो वर्षों के भीतर ही हैवेल्स सफल होने लगा। सब कुछ सुचारु रूप से चल रहा था, जब तक कि उनकी कंपनी में एक बड़ी बाधा नहीं आई। उनके सभी प्रतिस्पर्धियों ने उनकी कंपनी के खिलाफ साजिश रची और अफवाह फैलाने लगे कि उनके उत्पाद घटिया हैं। इस वजह से कई वेंडर हैवेल्स से खरीदारी करने में झिझक रहे थे और इससे काफी नुकसान हुआ।

लेकिन गुप्ता इससे प्रभावित नहीं हुए, वह अपने अगले कदम के बारे में सोचने लगे। उन्होंने नए इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों का निर्माण करने का फैसला किया जो बाजार में उपलब्ध नहीं थे और एक “अनुसंधान और विकास दल” के साथ आए। तब उन्होंने एक कारखाने में सबसे आसानी से क्षतिग्रस्त इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद का पता लगाया, जो कि स्विच था। इससे निपटने के

लिए, वह एक स्विच लेकर आया जो आसानी से क्षतिग्रस्त नहीं हुआ था।



युवा जीवन जुलाई 2022

इस स्विच को बाजार में शानदार स्वागत मिला। जो कंपनियाँ गुणवत्ता कारणों का हवाला

लेकिन गुप्ता इससे प्रभावित नहीं हुए, वह अपने अगले कदम के बारे में सोचने लगे।

देते हुए हैवेल्स के उत्पादों को खरीदने से हिचकिचाती थीं, वे इसे खरीदने के लिए उत्सुक थीं। इसी तरह गुप्ता ने कई नए उत्पादों का निर्माण किया और उन्हें बाजार में उतारा। इसमें से हैवेल्स का फ्यूज सबसे महत्वपूर्ण उत्पादों में से एक था। उन्होंने बड़ी कंपनियों की जरूरतों पर नजर रखी और उन्हें पूरा करना शुरू किया। हैवेल्स अपने फैसले के कारण आगे बढ़े।

वह यहीं नहीं रुके, वे कई छोटी-छोटी कंपनियों को खरीदते रहे। धीरे-धीरे हैवेल्स ने घरेलू उपकरणों के निर्माण में कदम रखा। जिस कंपनी की शुरुआत सिर्फ 10,000 रुपये से हुई थी, उसकी अब नेटवर्थ 9500 करोड़ रुपये हैं और यह हमारे देश का शीर्ष ब्रांड है। आपके घर में भी ज्यादातर प्रोडक्ट हैवेल्स ने ही बनाए होंगे।

प्रिय युवाओं, जिन लोगों में आत्मविश्वास है और जो कभी हार नहीं मानते, वे हर दिन जीत का स्वाद चखेंगे। यदि हम असफलताओं से मुक्त हैं और इससे ऊपर उठने के इच्छुक हैं, तो सफलता बहुत निकट है। क्या आप अपनी पिछली विफलताओं को देखने और भाग जाने वाले हैं? या क्या आप विफलताओं को अपने आगे घुटने टेकने जा रहे हैं? जवाब आपके हाथ में है!



जो लोग दिल से माफ कर देते हैं...

यूसुफ-उसके भाई...



यूसुफ याकूब का 11वां पुत्र था जिसके 12 पुत्र थे। याकूब यूसुफ को अपने अन्य पुत्रों से अधिक प्रेम करता था। उसने यूसुफ को एक बहुरंगी वस्त्र दिया। इस कारण यूसुफ के भाई उससे चिढ़ गए। वे उस से और भी अधिक बैर करने लगे, जब यूसुफ ने उन्हें वह बताया जो उसने अपने बहुत से स्वप्नों में देखा था। उन्होंने उसे मारने की योजना बनाई और उन्होंने उसे एक गड्ढे में फेंक दिया। उन्होंने उसे बीस चाँदी के सिक्कों में बेच दिया। योसेफ को मिस्र ले जाने के बाद भी कई प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

फिरौन ने यूसुफ को मिस्र देश का अधिकारी ठहराया, क्योंकि यही था उसके संग था। चूँकि, कई राष्ट्र अकाल से प्रभावित थे; अलग-अलग जगहों से लोग अनाज लेने के लिए यूसुफ के पास आए। यूसुफ के भाई भी उसके पास अनाज लेने आए। वे यूसुफ को नहीं पहचान सके, परन्तु उसने उन्हें पहचान लिया। उसने उन्हें माफ कर दिया, चाहे उन्होंने उसे कितना भी नुकसान पहुंचाया हो। उसने उनके साथ अच्छा व्यवहार किया और अपने भाइयों से अपना परिचय दिया। उसने उन्हें गले लगाया और चूमा। यूसुफ ने अपने भाइयों की हानि नहीं की, जबकि उसने उन्हें क्षमा किया और उनका भला किया। (उत्पत्ति अध्याय 37-45)।

प्रिय युवाओं! यदि तुम अपने सम्बन्धियों या अपने भाई-बहनों जैसे यूसुफ को क्षमा करते हो, भले ही उन्होंने तुम्हें हानि पहुँचाई हो, तो परमेश्वर तुम्हारे द्वारा बड़े बड़े काम करेगा।

पिता- उसका बेटा...

एक आदमी के दो बेटे थे। छोटे ने अपने पिता से कहा, 'मेरे हिस्से की संपत्ति बांट दो।' इसलिए पिता ने अपनी संपत्ति आपस में बांट ली। कुछ दिनों के बाद, सबसे छोटे बेटे ने सब कुछ इकट्ठा किया और एक दूर देश में चला गया, जहाँ उसने एक दुष्ट जीवन व्यतीत किया और अपना सब कुछ नष्ट कर दिया। जब वह सब कुछ खर्च कर चुका, तब वह चला गया और उस देश के निवासियों में से एक के पास गया, जब घातक प्लेग मारा गया था। किरायेदार ने उसे अपने खेत में सूअरों को चराने के लिए भेजा और वह खुशी-खुशी अपना पेट उन फलियों से भर लेता जो सूअर खाते थे। लेकिन किसी ने उसे कुछ नहीं दिया। वह युवक अपने पिता के पास इस समझ के साथ वापस आया कि 'जब वह भूख से मर रहा था, तब उसके पिता के इतने सेवकों के लिए पर्याप्त भोजन था। जब सबसे छोटा बेटा दूर से आ रहा था, तो उसके पिता ने उसे देखा, दिल से दुखी होकर, उसके पास दौड़ा, उसे गले लगाया और उसे चूमा। और उस ने अपने दास से कहा, कि वह उसके लिये राजसी वस्त्र लाए, और पहिनाए, उसकी उंगली पर अँगूठी, और पाँवों के जूतों को पहिनाए, और उसका अपराध क्षमा किया, और उसे ग्रहण किया। (लूका 15:11-22)



प्रिय किशोरी! अगर आपने अपने उन दोस्तों को माफ नहीं किया है जिन्होंने कुछ गलत किया है, तो आज उन्हें माफ कर दें। क्या आप उन्हें माफ करने और स्वीकार करने के लिए तैयार हैं जैसे पिता ने अपने बेटे को माफ कर दिया जब उसने सब कुछ खो दिया?

स्तिफनुस जिन्होंने उसे पथराव किया था...

स्तिफनुस उन लोगों में से एक था जिन्हें प्रभु द्वारा डीकन के रूप में नियुक्त किया गया था। कुछ लोग स्तिफनुस के बारे में बहुत नाराज़ थे क्योंकि उसने लोगों के बीच बहुत से चमत्कार और संकेत बड़े विश्वास और शक्ति के साथ किए थे। उनमें से कुछ उठकर स्तिफनुस से वाद-विवाद करने लगे। लेकिन वे वापस बात करने में असमर्थ थे जब स्टीफन ज्ञान और पवित्र आत्मा के अभिषेक से भर गया था जब वह उनसे बात कर रहा था। स्टीफन पर दोष खोजने और उसे दोष देने के इरादे से, उन्होंने यहूदी धर्म के बुजुर्ग लोगों और अन्य वैदिक विशेषज्ञों से यह कहने का आग्रह किया, “हमने उसे मूसा और परमेश्वर के खिलाफ ईशनिंदा शब्द बोलते हुए सुना है।” और वे उसके पास गए, और उसे पकड़कर महासभा के साम्हने घसीटकर ले गए, और यह कहकर उस पर झूठा दोष लगाया। इस व्यक्ति ने इस परिषद और पवित्रशास्त्र के विरुद्ध निन्दा की बातें की थीं।



स्तिफनुस ने उन लोगों को अच्छी बातों का प्रचार किया, परन्तु वे उसे हानि पहुँचाने के लिए उत्सुक थे। जब उन्होंने देखा कि स्तिफनुस का चेहरा एक स्वर्गदूत की तरह चमक रहा है, तो वे क्रोधित हो गए, और उसे शहर से बाहर निकाल दिया और उसे पत्थरवाह किया। उस स्थिति में भी हम स्तिफनुस को परमेश्वर से प्रार्थना करते हुए देख सकते थे कि वे उन लोगों पर दोष न लगाएं जिन्होंने पाप किया है और अपनी क्षमा के लिए विनती की है। (प्रेरितों 7)।

प्रिय युवाओं! स्तिफनुस ने उन लोगों की पाप की क्षमा के लिए प्रार्थना की जो उसे पत्थरवाह करके मार डालना चाहते थे। आप कैसे हैं?

डेविड - शाऊल जो उसे मारना चाहता था...

दाऊद द्वारा गोलियत को मारने के बाद, राजा शाऊल ने दाऊद को ‘सेनापति’ बनाया और उसे अपनी सेना का नेतृत्व करने के लिए कहा। डेविड ने कई लड़ाइयाँ जीतीं और इस वजह से सभी उससे प्यार करने लगे। जब भी वह युद्ध जीतकर लौटा, तो स्त्रियाँ नाचती और गातीं “शाऊल ने हजारों और दाऊद ने अपने दस हजारों को मार डाला”। इससे शाऊल को दाऊद से जलन हुई। उसने दाऊद को मारने की योजना बनाई और उसने बिना रुके दाऊद का पीछा किया। डेविड अलग-अलग जगहों पर भागा और मौत के डर से कई बार अपना ठिकाना भी बदला। एक समय ऐसा भी आया जब उन्हें खुद को एक पागल का भेष बदलना पड़ा और भाग निकले। यद्यपि दाऊद ने शाऊल के कारण इतना कष्ट सहा, तौभी उसने शाऊल को पकड़कर न तो मारा, और न उसे छुआ। चूँकि, वह उस व्यक्ति को मारना नहीं चाहता था जिसे परमेश्वर ने अभिषिक्त किया था, उसने शाऊल के हाथ में पकड़े हुए लबादे की स्कर्ट को काट दिया और उसे क्षमा कर दिया। (1 शमूएल 24: 1-22)

प्रिय युवाओं! दाऊद की तरह, क्षमाशील स्वभाव विकसित करें। वह चरित्र आपको स्वस्थ रहने में मदद करेगा। क्या आप खुद को ऐसे इंसान में बदल लेंगे जो बिना बदला लेने की सोचे पूरे दिल से माफ कर दे?



प्रार्थना मार्गदर्शक

जुलाई 2022

1 आइए हम प्रार्थना करें कि सरकार ने हमारे देश में सेक्स वर्क के लिए दी गई अनुमति पर प्रतिबंध लगा दे।

2 आइए हम पोर्न वेबसाइटों के खिलाफ प्रार्थना करें कि इसे प्रतिबंधित किया जाए।

3 विवाहेतर संबंधों के कारण शैतान कई परिवारों को नष्ट कर रहा है। आइए हम प्रार्थना करें कि इन परिवारों के बच्चे इससे प्रभावित न हों।

4 सुप्रीम कोर्ट ने घोषित किया है कि वेश्यावृत्ति को एक पेशा माना जाना चाहिए। प्रार्थना करें कि समाज को नीचा दिखाने वाली शैतान की चाल नष्ट हो जाए।

5 वेश्यावृत्ति के लिए मजबूर महिलाओं की मुक्ति के लिए प्रार्थना करें।

6 ऑनलाइन रमी गेम खेलने से होने वाले नुकसान और कर्ज के कारण आत्महत्या करने वाली मौतों की संख्या प्रतिदिन बढ़ रही है। प्रार्थना करें कि ये खेल बंद हो जाए।

7 प्रार्थना करें कि सरकार सभी ऑनलाइन रमी गेम वेबसाइटों पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक कानून लाए।

8 उन लोगों के उद्धार के लिए प्रार्थना करें जो रम्मी खेलने के आदी हैं और आदत से बाहर नहीं आ पा रहे हैं।

9 प्रार्थना करें कि जो लोग धन को देखकर धोखा खा गए हैं, वे जान लें कि यह गलत है और उन्हें छुड़ाया जाना चाहिए।

10 नशे के आदी लोगों के उद्धार और मुक्ति के लिए प्रार्थना करें।

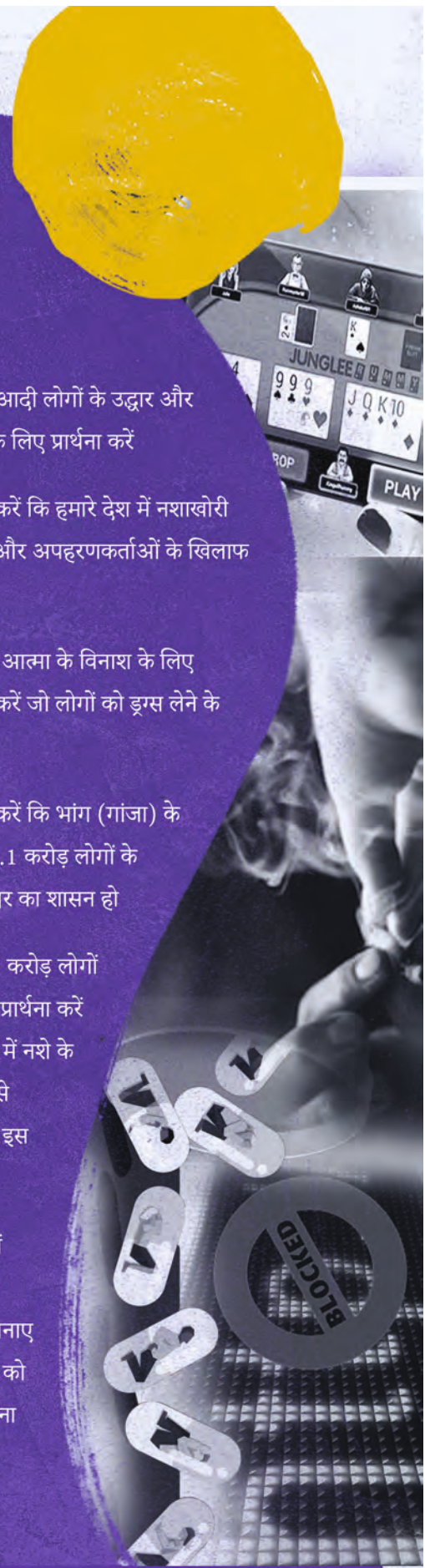
11 प्रार्थना करें कि हमारे देश में नशाखोरी बंद हो और अपहरणकर्ताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो।

12 उस दुष्ट आत्मा के विनाश के लिए प्रार्थना करें जो लोगों को ड्रग्स लेने के लिए लुभाती है।

13 प्रार्थना करें कि भांग (गांजा) के आदी 3.1 करोड़ लोगों के परिवारों पर परमेश्वर का शासन हो।

14 उन 2.3 करोड़ लोगों के लिए प्रार्थना करें जो गोलियों के रूप में नशे के आदी हैं, परमेश्वर से मुलाकात करें और इस लत से मुक्त हों।

15 भारत में 5334 बांधों को ठीक से बनाए रखने और तलछट को हटाने के लिए प्रार्थना करें।



16 आइए हम प्रार्थना करें कि भारत के सभी जलाशयों को प्रदूषण से बचाया जाए

17 प्रार्थना करें कि आवश्यक पानी बांधों में जमा हो, ताकि पानी की कमी न हो।

18 प्रार्थना करें कि हमारे देश में फैली महामारी का अंत हो।

19 मंकीपॉक्स से पीड़ित लोगों के स्वस्थ होने के लिए प्रार्थना करें।

20 आइए प्रार्थना करें, कि परमेश्वर बुरी आत्मा को बांधें जो विपत्ति लाकर जागृति में बाधा उत्पन्न करती है।

21 प्रार्थना करें कि सरकार मंकीपॉक्स के इलाज के लिए जरूरी सुविधाएं प्रबंध कराए।

22 प्रार्थना करें कि स्वास्थ्य विभाग सतर्क रहे और किसी भी संचारी रोग के फैलने से पहले लोगों में जागरूकता पैदा करे।

23 पिछले दस वर्षों (2011-2020) में हवाई जहाज दुर्घटनाओं के कारण 1752 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। प्रार्थना करें कि ऐसी दुर्घटनाएं न हों।

24 पायलट के लिए प्रार्थना करे कि परमेश्वर उन्हें विमान को सुरक्षित तरीके से संचालित करने के लिए अच्छी बुद्धि और विवेक का वरदान दें।

25 प्राकृतिक आपदाओं के कारण होने वाली दुर्घटनाओं से बचने के लिए प्रार्थना करें।

26 प्रार्थना करें कि वायुयानों का रख-रखाव किया जाए और उनका उचित उपयोग किया जाए।

27 परमेश्वर से प्रार्थना करें कि आतंकवादी समूहों से उठने वाले विरोध से गिरजाघर और पादरियों की रक्षा करें।

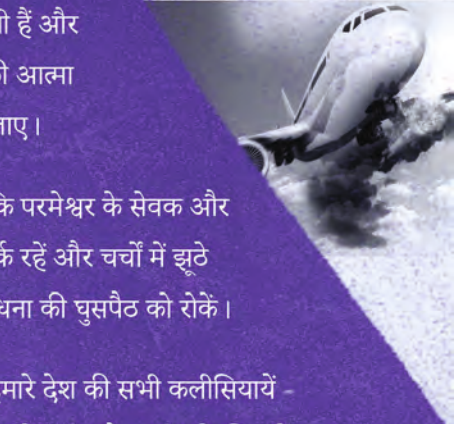
28 आइए हम उन दुष्टात्माओं के विरुद्ध प्रार्थना करें जो कलीसियाओं में अलगाव का कारण बनती हैं और प्रार्थना करें की प्रार्थना की आत्मा कलीसियाओं में उड़ेली जाए।

29 प्रार्थना करें कि परमेश्वर के सेवक और विश्वासी सतर्क रहें और चर्चों में झूठे सिद्धांतों और झूठी आराधना की घुसपैठ को रोकें।

30 प्रार्थना करें हमारे देश की सभी कलीसियायें - सुसमाचार सुनानेवाली और मसीह के लिए चेला बनानेवाली बन जाए।

31 प्रार्थना करें कि पवित्र आत्मा सब कलीसियाओं पर उड़ेली जाए और कलीसियाओं की अगुवाई करे।

दिए गए प्रार्थना बिंदुओं के लिए प्रतिदिन 1 मिनट प्रार्थना में बिताएं हर दिन!



एक खाली कब्र में पतरस

सप्ताह के पहले दिन की सुबह, मैरी मैग्डलीन अंधेरे में आई और उसने पाया कि कब्र में पत्थर को बंद कर दिया गया था। और वह तुरन्त दौड़ती है, और पहिले पतरस और यूहन्ना को समाचार देती है, और किसी चेले को नहीं। यहाँ तक कि स्वर्गदूत ने यह घोषणा करने के बाद कि 'यीशु फिर से जी उठा है,' उन महिलाओं को सूचित करता है जो यीशु की कब्र को सुगंधित करने के लिए आई हैं, और अपने शिष्यों और पतरस को जाकर सूचित करें (मरकुस 16:7)। इससे हम देख सकते हैं कि उस समय के लोग और फ़रिश्ते जानते थे कि पतरस चेलों में सबसे खास और सबसे प्रमुख था। हालाँकि पतरस और यूहन्ना एक साथ कब्र की ओर दौड़े, फिर भी यूहन्ना पतरस से भी तेज दौड़ा और नीचे कब्र में देखा।

लेकिन उन्होंने प्रवेश नहीं किया। पतरस धीरे-धीरे कब्र में चला गया और देर से दौड़ते हुए भी तेजी से देखता रहा। उस खाली कब्र में पतरस का दिमाग धीरे-धीरे शोध करता है। अगर किसी ने शव को ले जाया होता, तो वे कशीदे को उतारकर कब्र में नहीं रखते। सिर के चारों ओर लिपटे कशीदे को अन्य कशीदे के साथ रखने के बजाय बड़े कशीदे से लपेटा गया है और बड़े कशीदे से रखा गया है। तो उसे समझ आ गया होगा कि घटना चुपचाप होनी चाहिए थी जल्दबाजी में नहीं। तौभी चेले पवित्रशास्त्र को नहीं जानते थे कि उसे मरे हुएओं में से जी उठना है (यूहन्ना 20:9)। महायाजकों और फरीसियों ने यीशु को यह कहते हुए याद किया कि वह तीन दिन के बाद जी उठेगा।



भाग - 6

पतरस के साथ एक यात्रा

इसलिए जितना हो सके उन्होंने कब्र को सुरक्षित रखा। लेकिन यह आश्चर्य की बात है कि शिष्य इसे भूल गए हैं। हालांकि, यह ध्यान देने योग्य है कि यीशु पहले अपने शिष्यों के बीच पतरस को दिखाई दिए (लूका 24:34; 1 कुरिन्थियों 15:5)

प्रतिगमन और रूपांतरण

कुछ वर्षों तक यीशु के साथ रहने के बावजूद, उनके द्वारा किए गए कई चमत्कारों को देखने के बाद, और मछली पकड़ने के उद्योग से पुरुषों को पकड़ने के महान व्यवसाय के



लिए यीशु द्वारा बुलाया गया था, यीशु को दी गई पीड़ा और सूली पर चढ़ाने से पतरस थोड़ा सा रह गया था परेशान और भ्रमित। उसने सोचा कि वह पुराने

मछली पकड़ने के उद्योग में वापस जा सकता है, वह कुछ शिष्यों और नाथन को ले जाता है और तिबरियास के समुद्र में जाता है और जाल फेंकता है लेकिन रात भर काम करने का कोई मतलब नहीं था। भोर के समय, जब उन्होंने पुनर्जीवित यीशु मसीह की आज्ञा के अनुसार दाहिनी ओर जाल डाला, जो किनारे पर था, तो जाल में बहुत सारी मछलियाँ थीं। जब उन्होंने तीसरे चमत्कार को देखा तब ही लोगों को एहसास हुआ कि वह प्रभु हैं।

“बच्चों, क्या तुम्हारे पास खाने के लिए कुछ है?”

क्या यह प्रश्न उनसे उठाया गया था और जिन्होंने उत्तर नहीं दिया था, वे किनारे पर आकर उसे देखकर हिल गए थे। हाँ, चारकोल की आग में मछलियाँ, किनारे पर रोटियाँ और कुछ मछलियों को लाने के लिए एक प्रेम आदेश जो उन्होंने तब पकड़ी थीं। थके और भूखे लोगों को रोटी और मछली देने वाले मसीह का प्रेम विस्मयकारी था। यीशु के आने के बाद ही रात भर देखी गई असफलता और कड़ी मेहनत का जवाब मिल गया था।



153 महान मछलियों के रूप में बड़ी सफलता। मछली के बावजूद, जाल नहीं फटा, और यह यीशु का प्यार, चमत्कार और आराम था जो पतरस की तलाश में आया था, जो उस जीवन की तलाश में गया था जो वह यीशु के आने से पहले जीया था।



इसे महसूस करते हुए, पतरस ने कुछ वर्षों बाद अपनी पत्नी में लिखा कि यीशु चाहता था कि पतरस अन्य शिष्यों की तुलना में उससे अधिक प्रेम करे कि “प्रेम बहुत पापों को ढांप देगा।” इस कारण वह तीन बार पिता का नाम लेता है, और पूछता है, हे शमीन, योना के पुत्र, क्या तू इन से अधिक मुझ से प्रेम रखता है? “हाँ, हे प्रभु, तू जानता है कि मैं तुझ से प्रेम करता हूँ” पतरस उत्तर देता है, और यीशु अपनी भेड़ों की चरवाहा करने के लिए पतरस की सहायक बुलाहट की पुष्टि करता है। पतरस, जिसने तीन बार प्रभु का इन्कार किया था, कहने के लिए कहा गया, ‘मैं तुमसे प्यार करता हूँ! तीन बार, इस श्लोक के आधार पर कि मृत्यु और जीवन जीभ के बल में होगा। ग्रीक में ‘प्यार’ शब्द के लिए दो शब्द हैं।

1. अगापे - सच्चा गहरा प्यार। 2. फिलेओ - प्रेम जो मित्र के रूप में पसंद करने वाला माना जाता है। बाइबल बताती है कि प्रभु ने एक बार यूनानी शब्द फिलियो और अगापे शब्द का दो बार प्रयोग किया था, लेकिन पतरस ने तीन बार ‘फिलियो’ शब्द का प्रयोग किया, यह सोचकर कि वह अगापे शब्द का उपयोग करने के योग्य नहीं है।

पतरस के मित्र और चेले

बारह शिष्यों में से यूहन्ना पतरस के सबसे निकट था। जैसे ही प्रभु पतरस को समझाता है कि उसके बुढ़ापे में क्या होगा, पतरस यूहन्ना के भविष्य को भी जानना चाहता है, लेकिन प्रभु ने उसे स्पष्ट रूप से कहा है कि उसे दूसरों को देखे बिना उसका अनुसरण करना चाहिए।

पतरस और यूहन्ना दोनों मछुआरे हैं और उन्हें सांकेतिक भाषा में बोलने की गहरी समझ है, तब भी जब पतरस रात के खाने के दौरान यीशु के कंधों पर झुक रहा था (यूहन्ना 13:24)। वे प्रार्थना के समय एक साथ चर्च जाते हैं (प्रेरितों के काम 3:1)। पतरस को पता चलता है कि प्रभु की उनमें से प्रत्येक के लिए अलग-अलग योजनाएँ हैं, भले ही वे घनिष्ठ मित्र हों।

पतरस के साथ यात्रा कई अन्य महत्वपूर्ण घटनाओं के साथ जारी रहेगी।

RED Alert



होफनी और फिनीस

इसी महीने इस रेड अलर्ट श्रृंखला के माध्यम से, हम परमेश्वर के चुने हुए लोगों की गलतियों और लापरवाही और उनकी पीढ़ी के लिए लाए गए अभिशाप और नुकसान को देखते हैं। परमेश्वर इस रेड अलर्ट श्रृंखला के माध्यम से हमसे बात करता है और हमारे आध्यात्मिक जीवन में हमें सुधारता है। इस रेड अलर्ट श्रृंखला में, हम होफनी और फिनीस के बारे में बात करने जा रहे हैं जिन्हें पौरोहित्य करने के लिए चुना गया था।

हम पहले पढ़ चुके हैं, यदि तुम हारून के समान नहीं कहलाते, तो तुम अकेले ही सेवकाई में प्रवेश नहीं कर सकते। परमेश्वर की दृष्टि में पौरोहित्य एक बहुत ही विशेष सेवकाई है। परमेश्वर स्वयं इस सेवकाई के लिए याजकों को चुनता है। होफनी और फिनीस को इस तरह की एक सम्मानित सेवकाई करने के लिए चुने गये थे, उन्हें पवित्रता और प्रेम के साथ करने के लिए बुलाया गया था, लेकिन उन्होंने अपने शरीर की वासना के लिए परमेश्वर के चर्च को प्रदूषित किया। परिणामस्वरूप, वे न केवल अपने लिए बल्कि अपनी पूरी पीढ़ी के लिए श्राप लेकर आए।

उनके पतन के क्या कारण हैं?

1. एली के पुत्र परमेश्वर को नहीं जानते थे!

1 शमूएल 2:12 कहता है, वे परमेश्वर को नहीं जानते थे। परमेश्वर को जाने बिना उसकी की सेवकाई करना बहुत खतरनाक है। परन्तु यहाँ होफनी और फिनीस ने अपनी इच्छा के अनुसार सेवकाई की, यह जाने बिना कि हमारा परमेश्वर कितना बड़ा, पवित्र और शक्तिशाली है।

उन्होंने चर्च में निर्भीकता से पाप किए जो परमेश्वर को अप्रसन्न और घृणा करने वाले थे। जहां परमेश्वर के बारे में कोई ज्ञान नहीं है वहां अभिमानी पाप होंगे। हम भी परमेश्वर के ज्ञान के बिना सेवकाई कर सकते हैं। लेकिन परिणाम खतरनाक होगा। स्वार्थी मंत्रालय हमें नुकसान पहुंचाएगा। प्रेरित पौलुस दुनिया के कई देशों में सुसमाचार ले गया। उसकी सेवकाई का रहस्य फिलिप्पियों 3:8 है 'मैं अपने प्रभु मसीह यीशु के ज्ञान की उत्कृष्टता के लिए सब कुछ खो देता हूँ'।

2. उन्होंने यहोवा की आज्ञा का उल्लंघन किया!

परमेश्वर में ज्ञान और भय की कमी के कारण एली के पुत्रों ने परमेश्वर की आज्ञाओं की अवज्ञा की। लोगों द्वारा लाए गए बलिदान में परमेश्वर ने याजकों के लिए एक हिस्सा आवंटित किया। बलि केवल चरबी को निकालने के बाद ही ली जाए, परन्तु एली के पुत्रों ने उसे निकालने से पहले ही ले लिया (1 शमूएल 2:15)। इसलिए, उनका पाप परमेश्वर की दृष्टि में बढ़ा था (1 शमूएल 2:17)। आइए हम स्वयं से पूछें, सेवकाई में परमेश्वर के चुने हुए लोगों के रूप में "क्या हम उसकी आज्ञाओं का पालन करते हैं?"



3. लापरवाही सावधानी! की

एली ने अपने पुत्रों को उनके पापों को जानने के लिए सावधान किया, लेकिन उन्होंने अपने दिलों को कठोर कर लिया, और एली की बातों को अनसुना कर दिया। इसलिए, परमेश्वर ने उन्हें नष्ट करने का फैसला किया। उन्होंने पाप

करना जारी रखा, परमेश्वर के वचनों की अवज्ञा की और सावधानियों की उपेक्षा की (1 शमूएल 4:11) एली के पुत्र युद्ध में मारे गए। वे अपनी पूरी पीढ़ी के लिए श्राप लेकर आए।

मेरे प्यारे जवानों, तुम सोच सकते हो कि तुम होफनी और फिनीस जितना बड़ा पाप नहीं करते। आप अपने पापों की तुलना उनके पापों से करके न्यायोचित ठहरा सकते हैं। लेकिन हम जो छोटी-छोटी गलतियाँ करते हैं, और हमारी लापरवाही हमें असफलता के किनारे तक ले जाएगी। उस समय, हमें कभी पश्चाताप करने का अवसर नहीं मिलेगा। आइए हम अपने पापों को अपनी कमजोरियों को स्वीकार करें और खुद को परमेश्वर के चरणों में विनम्र करें। वह हमारे पथों को सीधा, दृढ़, पवित्र बनाएगा और हमें पुनरुत्थान में शक्तिशाली रूप से उपयोग करेगा। "यदि आप अपने आप को शुद्ध रखते हैं, तो आप सम्मान के विशेष पात्र होंगे। आपका जीवन शुद्ध होगा, और आप स्वामी के लिए हर अच्छे काम के लिए आपको उपयोग करने के लिए तैयार होंगे" (2 तीमोथियुस 2:21)

प्रार्थना करना और एक विजेता बनें

सारस, सारस और बगुला जैसे पक्षी तमिलनाडु के ग्रामीण इलाकों में रहते हैं। ये पक्षी खेत जोतते समय गायों के पीछे जाते नजर आते हैं। गाय के पैर लगते ही उस क्षेत्र से कीड़े निकल आते हैं और पक्षी उन्हें पकड़ कर खा जाते हैं। इन पक्षियों की विशेषता यह है कि यदि जोड़े में से एक की मृत्यु हो जाती है तो दूसरा पक्षी भी दिन भर चीखता-चिल्लाता रहता है। आइए इस मार्ग में इन पक्षियों के कुछ अच्छे गुणों को देखें।

रुको:

► जिस तरह से क्रेन वाटर बैंक में मछली का इंतजार करती है वह वाकई अद्भुत है। क्रेन पानी में मछली के लिए धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा करती है, एक पैर मुड़ा हुआ गतिहीन। जब एक बड़ी, मोटी मछली उसके पैर के पास आता है, वह उसे उठाएगा।

► लेकिन इंसान होने के नाते हम थक जाते हैं जब हमें किस बात का जवाब नहीं मिलता हमने प्रार्थना की है।

► अगर हम हर चीज में धैर्यपूर्वक परमेश्वर के समय की प्रतीक्षा करते हैं जैसे कि क्रेन अपने भोजन की प्रतीक्षा करता है, तो हमें अपने जीवन में हर चीज का सबसे अच्छा मिलेगा। "स्वर्ग में सारस भी अपने नियत समयों को जानता है, और पंडुक, तेज और निगलने वाले अपने आने के समय को मानते हैं। परन्तु मेरी प्रजा यहोवा का न्याय नहीं जानती।" (यिर्मयाह 8:7)

तैयार:

► सारस जैसे पक्षी अपने प्रवास के समय को अच्छी तरह जानते हैं।

► जैसा कि यह जानता है कि यह प्रवास स्थान स्थायी नहीं है, समय आने पर यह उड़ जाता है अपने मूल स्थान पर वापस उस जगह को छोड़कर जहां यह था सुखी जीवन।

► यहां तक कि हमारे लिए यह दुनिया स्थायी नहीं है, और हमें सावधान रहना चाहिए कि हमारा स्थान स्वर्ग में है।

मेरे प्यारे नौजवानों! स्वर्ग में हमारे प्रभु से मिलने के लिए आपकी क्या तैयारी है? जब भी आप स्वर्ग जाने के बारे में सोचते हैं तो क्या आपके मन में चिंता होती है? या आप इस मानसिकता में हैं कि मैं स्वर्ग जाने के लिए हमेशा तैयार हूं? इसके बारे में सोचो!

"... अपने परमेश्वर से मिलने की तैयारी करो" (आमोस 4:12)

